



HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN

PROGRAMME: MASTER OF ARTS (M.A.)

SEMESTER SYSTEM

PROGRAMME CODE: HNGU2012

AS PER THE NEW GUIDELINES FROM THE UNIVERSITY

(WITH EFFECT FROM JUNE-2020-21)




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

ક્રમિક



Hemchandracharya
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC - 401 ' आधुनिक हिन्दी काव्य II ' (खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पुस्तकें : १. ' महाप्रस्थान '(खंडकाव्य) - नरेश मेहता , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

२. ' आत्मजयी ' (विशेष कवि) - कुँवर नारायण, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।

३. ' केदारनाथ सिंह प्रतिनिधि कविताएँ ' (नई कविता) - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

प्रतिनिधि पाठ्य कविताएँ -

- (1) महानगर में कवि
- (2) बनारस
- (3) पहाड़
- (4) दाने
- (5) सूर्य
- (6) मुक्ति
- (7) पानी में घिरे हुए लोग
- (8) टमाटर बेंचनेवाली बुढ़िया
- (9) सन् 47 को याद करते हुए
- (10) जीने के लिए कुछ शर्तें

यूनिट - १. उपर्युक्त तीनों रचनाओं में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २. ' महाप्रस्थान ' खंडकाव्य का मूल्यांकन :

हिन्दी अभ्यास समिति , हेम. उ. गुज. युनि. पाटण




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

कथावस्तु, काव्य स्वरूप , मूल प्रतिपाद्य , पात्र सृष्टि , भाषा-शैली , प्रकृति-चित्रण, शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्रों का परिचय ।

यूनिट - ३. 'आत्मजयी' काव्य का मूल्यांकन :

उपनिषद आधारित कथा, मिथकीय सत्ता, समसामयिक संदर्भ, जीवन दर्शन, पात्र-सृष्टि, शिल्पगत विशेषताएँ, शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - नचिकेता, वाजश्रवा, यमयम ।

यूनिट - ४. ' केदारनाथ सिंह' की प्रतिनिधि कविताओं के भाव-सौन्दर्य और काव्य-सौन्दर्य का अनुशीलन , कवि केदारनाथ सिंह की उपलब्धियाँ ।

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त तीनों रचनाओं में से)

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट - २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. नरेश मेहता और उनका महाप्रस्थान - कृष्णदेव शर्मा ।
२. नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन - प्रभाकर शर्मा ।
३. नरेश मेहता कविता की ऊर्ध्वयात्रा - रामकमल राय ।
४. नई कविता की प्रबंध चेतना - डॉ.मनोहरसिंह चौहान ।
५. हिन्दी काव्य में मिथक का समसामयिक संदर्भ - डॉ. सविता मोहन ।



६. कुँवर नारायण और उनका साहित्य - अनिल मेहरोत्रा, ज्ञानभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
७. हिन्दी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य - कविता शर्मा, पार्श्व प्रकाशन अहमदाबाद ।
८. केदारनाथ सिंह चकिया से दिल्ली - संपा. कामेश्वर प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन दिल्ली ।
९. समकालीन सृजन संदर्भ - भारत भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
१०. तार सप्तक के कवियों की समाज चेतना - राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -402 'हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास'

यूनिट - १. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय - प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक ।
- आधुनिक आर्यभाषाओं का वर्गीकरण ।
- खड़ीबोली हिन्दी का उद्भव और विकास ।

यूनिट - २. हिन्दी का भौगोलिक क्षेत्र

- हिन्दी की उपभाषाओं और बोलियों का परिचय ।
- पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर ।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियों की व्याकरणिक विशेषताएँ (ब्रज, अवधी, भोजपुरी, मैथिली)

यूनिट - ३. हिन्दी भाषा के विविध रूप

- हिन्दुस्तानी और बोलचाल की हिन्दी ।
- मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी ।
- हिन्दी एक संपर्क भाषा ।
- राजभाषा हिन्दी और राष्ट्रभाषा हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।
- संचार भाषा के रूप में हिन्दी ।

यूनिट - ४. हिन्दी का शब्द निर्माण और शब्द भंडार :

- हिन्दी की शब्द-रचना - मूल, यौगिक, योगरूढ



- शब्द-रचना की विविध रीतियाँ - उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास ।
- हिन्दी शब्द-संपदा - तत्सम, अर्ध तत्सम, तदभव, देशज, विदेशी आदि ।

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

- प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - ५ यूनिट २, ३, ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रका., इलाहाबाद ।
२. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
३. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
४. भाषाविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
५. भाषाविज्ञान की भूमिका - सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा ।
६. भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय ।



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -403

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II

यूनिट - १. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास ।

- आँचलिक उपन्यास - अवधारणा, प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों का परिचय ।
- मनोवैज्ञानिक उपन्यास - अवधारणा, प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों का परिचय ।
- लघु उपन्यास - अवधारणा, प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों का परिचय ।
- आधुनिकतावादी उपन्यास ।

यूनिट - २. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी ।

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी पृष्ठभूमि ।
- नई कहानी - कथ्यगत और और शिल्पगत विशेषता, प्रमुख कहानीकार ।
- साठोत्तरी हिन्दी कहानी के विविध आंदोलन - अकहानी, समानान्तर कहानी और अन्य कहानी आंदोलन, समकालीन कहानी ।

यूनिट - ३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ ।

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंधों का विकासात्मक अध्ययन, प्रमुख निबंधकार और उनका योगदान, ललित निबंध और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, हास्य-व्यंग्य प्रधान निबंध और हरिशंकर परसाई ।
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना - मार्क्सवादी आलोचना, रूपवादी आलोचना, रचना केन्द्रित और रचनाकार केन्द्रित आलोचना ।
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी संस्मरण और रेखाचित्र, महादेवी वर्मा का योगदान ।



यूनिट - ४. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य ।

- गुजरात की स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता - प्रबंधकाव्य , गीत एवं गज़ल, समकालीन बोध की कविता ।
- गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास साहित्य ।
- गुजरात की स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - नगेन्द्र ।
२. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चनसिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली ।
३. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४. आधुनिक हिन्दी उपन्यास - नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
५. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - बच्चनसिंह, लोकभारती प्रका., इलाहाबाद ।
६. हिन्दी कहानी का इतिहास - भाग-3, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
७. हिन्दी कहानी के सौ वर्ष - संपा. वेदप्रकाश अमिताभ, मधुवन प्रकाशन, मथुरा ।
८. हिन्दी निबंध - विश्वनाथप्रसाद तिवारी, वाराणसी ।
९. हिन्दी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, दिल्ली ।
१०. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन - संपा. रघुवीर चौधरी, अहमदाबाद ।

U-Tube पर ई-पाठशाला के अन्तर्गत विद्वानों के व्याख्यान उपलब्ध हैं।



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -404

‘शोध प्रविधि ’

यूनिट - १. शोध का स्वरूप :

- शोध की अवधारणा, शोध की प्रकृति, शोध के तत्व, शोध का उद्देश्य और महत्व,
- शोध और समीक्षा, शोध और आस्वाद ।

यूनिट - २. शोध के प्रकार :

- साहित्यिक शोध ।
- तुलनात्मक शोध ।
- शैली वैज्ञानिक शोध ।
- भाषा वैज्ञानिक शोध ।
- समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक शोध ।

यूनिट - ३. शोध-प्रक्रिया ।

- शोध-प्रक्रिया से तात्पर्य ।
- शोध-प्रक्रिया के विविध सोपान -
- विषय-चयन, शोध प्रबंध की रूपरेखा, सामग्री संकलन, भूमिका लेखन, पाद टिप्पणी, संदर्भ निर्देश ।

यूनिट - ४. शोधार्थी , निर्देशक और शोध-पत्र लेखन ।

- शोधार्थी के गुण ।
- शोध निर्देशक की योग्यता ।



- शोध-पत्र से तात्पर्य और उसकी प्रकृति ।
- शोध-पत्र लेखन की प्रक्रिया ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम - रवीन्द्रकुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग , दिल्ली ।
२. शोध - प्रविधि - विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग , दिल्ली ।
३. अनुसंधान - स्वरूप और प्रविधि, रामगोपाल शर्मा, राजस्थान ग्रंथ अका. जयपुर ।
४. आधुनिक शोध पद्धति - रामगोपाल सिंह जादौन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद ।
५. शोध सिद्धान्त - संपा. बी. के. कलासवा, शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद ।
६. हिन्दी अनुसंधान - विजयपाल सिंह , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।
७. अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया - डॉ. अर्जुन तडवी , विद्या प्रकाशन , कानपुर ।
८. हिन्दी अनुसंधान : वैज्ञानिक पद्धतियाँ - डॉ. कैलाशनाथ मिश्र , विद्या प्रकाशन , कानपुर ।



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 405 B हिन्दी पत्रकारिता

यूनिट - १ पत्रकारिता से तात्पर्य, पत्रकारिता का स्वरूप, वर्तमान समय में पत्रकारिता का महत्व, विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास ।

यूनिट - २ पत्रकारिता के मूल तत्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम , समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त, शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमूख और समाचार पत्र की प्रस्तुति , प्रक्रिया और समाचार के विभिन्न स्रोत ।

यूनिट - ३ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया - रेडियो पत्रकारिता, टी.वी.पत्रकारिता, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और सोशियल मीडिया । पत्रकारिता में दृश्य सामग्री- कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की की व्यवस्था ।

यूनिट -४ प्रिन्ट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रुफ पठन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा, लोक संपर्क तथा विज्ञापन । पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन -संपादकीय, फिचर, रीपोर्ताज, साक्षात्कार , खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४



प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी । अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका - जगदीश्वर चतुर्वेदी ।
२. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारीतिवारी ।
३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता और रचनात्मक नवलेखन का अन्तःसम्बन्ध - ऋचा शर्मा ।
४. जनसंचार माध्यम चुनौतियाँ और दायित्व - त्रिभुवन राय।
५. मीडिया विमर्श - रामशरण जोशी ।
६. इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - अमरेन्द्रकुमार ।



CORE COURSE

ગુજરાતી



Hemchandracharya
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

પ્રશ્નપત્ર : ગુજરાતી વિવેચન પરંપરા

એકમ-૧ : વિવેચન વિચાર :

૧. વિવેચન : સંજ્ઞા અને પ્રકારો
૨. ગુજરાતી વિવેચન પરંપરા – પરિચય

એકમ-૨ : વિવેચન વિકાસ- ૧

૧. સુધારક યુગની વિવેચન પ્રવૃત્તિ
૨. પંડિત યુગની વિવેચન પ્રવૃત્તિ
૩. ગાંધી યુગની વિવેચન પ્રવૃત્તિ

એકમ-૩ : વિવેચન વિકાસ- ૨

૧. અનુગાંધી યુગની વિવેચન પ્રવૃત્તિ
૨. આધુનિક યુગની વિવેચન પ્રવૃત્તિ
૩. અનુ-આધુનિક યુગની વિવેચન પ્રવૃત્તિ

એકમ-૪ : વિવેચકોનું પ્રદાન:

૧. નવલરામનું વિવેચન
૨. નરસિંહરાવ દિવેટિયાનું વિવેચન
૩. વિશ્વનાથ મ. ભટ્ટનું વિવેચન
૪. સુરેશ જોષીનું વિવેચન

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ગુજરાતી સાહિત્ય વિવેચન- જયંત કોઠારી

૨. વિવેચનની ભૂમિકા – પ્રમોદકુમાર પટેલ

૩. સાહિત્ય વિવેચનના સિદ્ધાંતો – નગીનદાસ પારેખ

૪. આપણું વિવેચન સાહિત્ય – હીરા મહેતા

૫. વાત આપણા વિવેચનની – શિરીષ પંચાલ

૬. સાહિત્ય વિવેચન : રામનારાયણ પાઠક – સં. શિરીષ પંચાલ

૭. સાહિત્ય વિવેચન : વિષ્ણુપ્રસાદ ત્રિવેદી - સં. શિરીષ પંચાલ

૮. સાહિત્ય વિવેચન : સુરેશ જોષી – સં. શિરીષ પંચાલ

૯. સાહિત્ય વિવેચન : ભાગ-૧ , ૨ : ઉમાશંકર જોષી – સં. શિરીષ પંચાલ

૧૦. સાહિત્ય વિવેચન : જયંત કોઠારી – સં. શિરીષ પંચાલ

૧૧. વાત આપણા વિવેચનની (પૂર્વાર્ધ અને ઉત્તરાર્ધ)

૧૨. વિવેચન સંદર્ભ




Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- IV : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-402

પ્રશ્નપત્ર : કૃતિ અભ્યાસ : વિશ્વ સાહિત્ય

નિયત કૃતિઓ

(૧) 'સિદ્ધાર્થ'

લેખક: હરમાન હેશ

અનુવાદ : અલકેશ પટેલ

પ્રકાશન : અરુણોદય પ્રકાશન

(૨) 'આગન્તુકા' (પસંદગીની વાર્તાઓ)

સંપાદક : સતીશ ડણાક : આદર્શ પ્રકાશન

અભ્યાસક્રમમાં નિયત વાર્તાઓ

૧. કાબુલીવાલા
૫. એમિલીનું ગુલાબ
૨. ગુણવત્તાની જ વાત
૬. વરસાદમાં એક બિલાડી
૩. યુદ્ધ
૭. સાપ
૪. શ્રી બિન્નેની બપોર
૮. જુનિયસ માલ્ટબી

એકમ-૧ : કૃતિલક્ષી અભ્યાસ : અપરાજેય

એકમ-૨ : કૃતિલક્ષી ટૂંકનોંધ: અપરાજેય

એકમ-૩ : વાર્તાઓનો કૃતિલક્ષી અભ્યાસ (પસંદગીની)

એકમ-૪ : કૃતિલક્ષી ટૂંકનોંધ (પસંદગીની વાર્તાઓ આધારે)

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. વિશ્વનવલકથા : સુમનશાહ : પાર્શ્વ પ્રકાશન

૨. શબ્દ દેશનો, શબ્દ વિદેશનો : ચંદ્રકાન્ત શેઠ : આદર્શ પ્રકાશન

૩. ભરતવાક્ય : ભરતમહેતા : રાવલ પ્રકાશન , પાટણ



Hemchandracharya
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

પ્રશ્નપત્ર : ગુજરાતી ભાષાનું અધ્યયન

એકમ-૧ : ભાષાવિકાસ ભુમિકા :

૧. પ્રાચીન ભારતીય આર્ય (સંસ્કૃત) થી મધ્યમ ભારતીય આર્ય (પ્રાકૃત-અપભ્રંશ) સુધી આવતાં થયેલાં મહત્વનાં ધ્વનિ અને વ્યાકરણીય પરિવર્તનો
૨. ગુજરાતી ભાષાનો ઉદ્ભવ અને તેના વિકાસ તબક્કાઓ
(અ) અપભ્રંશથી જૂની ગુજરાતીમાં આવતાં થતું પરિવર્તન (ધ્વનિ અને વ્યાકરણીય)
(બ) જૂની ગુજરાતીમાંથી મધ્યકાલીન ગુજરાતીમાં આવતાં થતું પરિવર્તન
(ક) મધ્યકાલીન ગુજરાતીથી અર્વાચીન ગુજરાતીમાં આવતાં થતું પરિવર્તન

એકમ-૨ : ગુજરાતીના ધ્વનિ ઘટકોનો અભ્યાસ :

૧. ગુજરાતીના માન્ય સ્વરો
૨. ગુજરાતી ભાષાના સ્પર્શ વંજનો
૩. ગુજરાતી ભાષાના સંઘર્ષી વ્યંજનો
૪. ગુજરાતી ભાષાના અર્ધ સ્વરો
૫. ગુજરાતી ભાષાના અનુનાસિકો

એકમ-૩ : ભાષા અધ્યયનકાર્યનો ઐતિહાસિક પરિચય :

૧. પ્રાચીન ભારતમાં થયેલ ભાષા અધ્યયન
૨. ગુજરાતી ભાષા અધ્યયન ક્ષેત્રે વિદ્વાનોનું પ્રદાન
૧. હેમચંદ્રાચાર્ય
૨. નરસિંહરાવ દિવેટિયા
૩. કે. કા. શાસ્ત્રી
૪. ડો. હરિવલ્લભ ભાયાણી
૫. ડો. પ્રબોધપંડિત
૬. ડો. યોગેન્દ્ર વ્યાસ

એકમ-૪ : અર્વાચીન ગુજરાતી ભાષાસ્વરૂપ અને તેનું અધ્યયન :

૧. ગુજરાતની બોલીઓ (પટ્ટણી, સુરતી, સૌરાષ્ટ્રી, ચરોતરી)
૨. વાક્યમાં પદક્રમ અને પદસંવાદ
૩. ગુજરાતી ભાષાનું શબ્દભંડોળ
૪. ગુજરાતી ભાષાની લાક્ષણિકતા (ઉચ્ચારણ, સૂરભાર, જંકચર, વચન, લિંગ, સહાયકારક ક્રિયારૂપો, નિપાત, કૃદંત સદર્ભો)

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧ થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે, જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ભાષા પરિચય અને ગુજરાતી ભાષાનું સ્વરૂપ - જયંત કોઠારી
૨. ગુજરાતી ભાષાનું ધ્વનિ સ્વરૂપ અને ધ્વનિપરિવર્તન - પ્રબોધ પંડિત
૩. ગુજરાતી ભાષા - ઉદ્ભવ, વિકાસ અને સ્વરૂપ - ડૉ. કે.બી.વ્યાસ
૪. ભાષાવિજ્ઞાન : ખંડ -૧ (સિક્કાંત નિરૂપણ) - ડૉ. કે.બી. વ્યાસ
૫. વ્યુત્પત્તિવિચાર - ડૉ. હરિવલ્લભ ભાયાણી
૬. બોલી વિજ્ઞાન અને ગુજરાતી બોલીઓ : ડૉ. યોગેન્દ્રવ્યાસ
૭. ભાષાનો વૈજ્ઞાનિક અભ્યાસ - ડૉ. યોગેન્દ્ર વ્યાસ
૮. ગુજરાતી વ્યાકરણ - ડૉ. યોગેન્દ્ર વ્યાસ
૯. ભાષાવિજ્ઞાન : સિક્કાંત વિમર્શ - ડૉ. દિનેશ પટેલિયા
૧૦. રૂપશાસ્ત્ર : એક પરિચય : ડૉ. ઊર્મિ દેસાઈ
૧૧. અધીતપર્વ - ૪, સંપાદકો : જે.એમ.ચંદ્રવાડિયા અને અન્ય
૧૨. પ્રારંભિક ગુજરાતી વ્યાકરણ : કનૈયાલાલ જોશી : આદર્શ પ્રકાશન




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

પ્રશ્નપત્ર : ભાષા અને સાહિત્ય કૌશલ

એકમ-૧ : આ એકમમાં સાંપ્રતપ્રવાહો , પ્રકૃતિ - કુદરતને અનુલક્ષીને , કોઈ કુદરતી કે માનવસર્જિત આફતના વિકલ્પે સાહિત્યિક વિષય પર નિબંધ લખવાનો રહેશે.

એકમ-૨ : કાવ્યકૃતિની સમીક્ષા - રસલક્ષી મૂલ્યાંકન - આસ્વાદલેખન

એકમ-૩ : કાવ્યપંક્તિનો અર્થવિસ્તાર

વિકલ્પે

ગદ્યપંક્તિનો અર્થવિસ્તાર

એકમ-૪ : સાહિત્યકૃતિનું અવલોકન (ત્રણમાંથી એક વિશે કૃતિ સમીક્ષા પૂછાશે)

૧. નવનિધિ : બળવંત જાની : પાર્શ્વ પ્રકાશન

૨. ફૂલની ચરી : જિ.કા.વ્યાસ : રત્નાદે પ્રકાશન

૩. મને ટાણા લઈ જાવ - માય ડિયર જયુ : લટુર પ્રકાશન, ભાવનગર

૪. તરસ્યા મલકનો મેઘ - મણિલાલ હ. પટેલ : વિશ્વકોશ પ્રકાશન, અમદાવાદ

એકમ-૫ : વિરામચિહ્નો - લેખન ચિહ્નોલની ઓળખ:

આ એકમમાં લેખનમાં વપરાતાં વિવિધ લેખન ચિહ્નો -વિરામ ચિહ્નોનો વિદ્યાર્થીએ

પરિચય કરવાનો રહેશે. વિદ્યાર્થીએ લખાણમાં વપરાતા ચિહ્નોહની ઓળખમાં એનું સંકેતચિહ્ન જણાવી લખાણમાં તેના ઉપયોગની ઉદાહરણસહ સમજૂતી આપવાની રહેશે. પ્રશ્નપત્રમાં કુલ દસ વિરામચિહ્નો-લેખનચિહ્નો પૂછાશે. તેમાંથી વિદ્યાર્થીએ કોઈ પણ સાતનો ઉત્તર આપવાનો રહેશે.

* અભ્યાસક્રમમાં નીચેનાં વિરામચિહ્નો-લેખનચિહ્નો સુચિત કરવામાં આવે છે:

- ૧) પૂર્ણવિરામ , ૨) અલ્પવિરામ, ૩) અર્ધવિરામ, ૪) ગુરુવિરામ, ૫) આશ્ચર્ય ચિહ્નક, ૬) પ્રશ્નાર્થ ચિહ્ન , ૭) અવતરણ ચિહ્નસ , ૮) લોપ ચિહ્ન , ૯) વિગ્રહરેખા , ૧૦) શબ્દતૂટક (હાઇફન) , ૧૧) પોલું મીડું , ૧૨) ત્રાંસી લીટી (ઓબ્લિક) , ૧૩) ફૂદડી , ૧૪) ટપકાં (ઇલિપ્સિસ) , ૧૫) એજન (ડિટ્ટો), ૧૬) કૌંસ, ૧૭) મોરપગલું (કાકપદ ચિહ્ન)

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. સાહિત્યિક નિબંધો: સંપાદક : પ્રસાદ બ્રહ્મભટ્ટ

૨. સંદર્ભ: સંપાદક : જયંત કોઠારી

૩. ગુજરાતી કવિતાનો આસ્વાદ : સુરેશ જોષી

૪. કવિતાની સમજ : હેમંત દેસાઈ

૫. સાહિત્યાચન : બાબુ દાવલપુરા

૬. કાવ્યાસ્વાદ : સંપાદક : હર્ષદ ત્રિવેદી

૭. સાહિત્યિક નિબંધ સંચય: સં. રતિલાલ દવે.

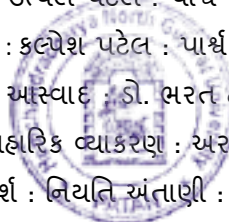
૮. કૃતિ સમીપે: સં. ઉત્પલ પટેલ : પાર્શ્વ પ્રકાશન

૯. વિચાર વિસ્તાર : કલ્પેશ પટેલ : પાર્શ્વ પ્રકાશન

૧૦. ગદ્ય અને પદ્ય આસ્વાદ : ડૉ. ભરત ઠાકર, આદર્શ પ્રકાશન

૧૧. ગુજરાતી વ્યવહારિક વ્યાકરણ : અરવિંદ ભાંડારી : અરુણોદય પ્રકાશન

૧૨. વ્યાકરણ વિમર્શ : નિયતિ અંતાણી : અરુણોદય પ્રકાશન



Handwritten signature

I/c. Registrar

Hemchandracharya

North Gujarat University

PATAN

પ્રશ્નપત્ર : સાહિત્ય અને ઇતિહાસ

એકમ-૧ : ૧. સાહિત્ય : સ્વરૂપ, પ્રયોજન અને કાર્યક્ષેત્ર

૨. ઇતિહાસ : સ્વરૂપ , પ્રયોજન અને કાર્યક્ષેત્ર

૩. સાહિત્ય અને ઇતિહાસનો આંતરસંબંધ

૪. ઐતિહાસિક નવલકથાનો સંક્ષિપ્ત પરિચય

એકમ-૨ : નિયત કૃતિ - ૧

કૃતિ : 'લાંછન'

લેખક: મોહનલાલ પટેલ , પ્રકાશક: રજાદે પ્રકાશન

કૃતિમાંથી બે વૈકલ્પિક પ્રશ્નો પૂછાશે , જે કૃતિગત ઐતિહાસિક સંદર્ભ-સાહિત્યિકતા આધારિત હશે.

એકમ-૩ : નિયત કૃતિ - ૨

કૃતિ : 'જય સોમનાથ'

લેખક: ક. મા. મુનશી , પ્રકાશક: ગૂર્જર પ્રકાશન

કૃતિમાંથી એકના વિકલ્પે બીજો એમ બે પ્રશ્નો પૂછાશે , જે કૃતિગત ઐતિહાસિક સાહિત્યિક સંદર્ભો આધારિત હશે.

એકમ-૪ : નિયત કૃતિ -૩

કૃતિ : 'ઔરંગઝેબ'

લેખક: ચિનુ મોદી , પ્રકાશક: આદર્શ પ્રકાશન

કૃતિમાંથી એકના વિકલ્પે બીજો એમ બે પ્રશ્નો પૂછાશે , જે કૃતિગત ઐતિહાસિક સાહિત્યિક સંદર્ભો આધારિત હશે.

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ઇતિહાસની વિભાવના અને ઇતિહાસ લેખન પદ્ધતિ : યુનિ. ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ

૨. ઇતિહાસ એટલે શું : યુનિ. ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ-૬

૩. કનૈયાલાલ મુનશી : રતિલાલ સાં. નાયક : આદર્શ પ્રકાશન

૪. ગુજરાતની ગૌરવકથાઓ : મોહનલાલ પટેલ : આદર્શ પ્રકાશન

૫. ઇતિહાસ : ચરિત્ર અને ચિંતન : બી.એન. ગાંધી : આદર્શ પ્રકાશન

૬. ગુજરાતીની ઇતિ: મૂલક નવલકથાઓનો અભ્યાસ : કૃષ્ણકાન્ત કડકિયા

૭. ઇતિહાસનો મર્મ : ઇ.એચ.કાર : અનુવાદ- ત્રિદિપસૂહદ , પ્રકાશન-દર્શક સાહિત્યનિધિ ગૂર્જર પ્રકાશન

૮. કળાકારનો ઇતિહાસબોધ : ભરત મહેતા , પાર્શ્વ પ્રકાશન

૯. પંચમવેદ : અસાઇત સાહિત્ય સભા

૧૦. પરિષદ પ્રમુખોના વ્યાખ્યાન: ભાગ-૨ , ભો.જે.વિદ્યાભવન




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

સમાજશાસ્ત્ર



Hemchandra
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem. IV

Core Course

SOCC - 401

SOCIOLOGY OF DEVELOPMENT

Objectives

India is undergoing rapid economic development, to be able to understand, assess and explore its sociological implication, in this paper the student is sought to be familiarised with the various paths and issues of development.

Outcome :

1. Students will be sensitised towards various marginalized sections of Society and also able to study the present factors and processes of development.
2. Students will understand the path and theory of development.

Course Outline :

Unit - 1 Introduction

1. Manning and Origin of Sociology of Development
2. Methodology of Sociology of Development
3. Scope of Sociology of Development
4. Social structure and Development

Unit - 2 Paths of Development

- | | |
|----------------------------------|-------------------------|
| 1 Western Model (capitalist) | 2 Socialist development |
| 3 Third World Model. Mix economy | 4 Japaness Model. |
| 5 Gandhian Model. | |


Unit - 3 Theories of Development

- | | |
|--|---------------------|
| 1. Theories of Modernization | 2. Less Development |
| 3. Dependency | 4. Social Evolution |
| 5. Recent Trend of Theories of Development | |

Unit - 4 Recent Trend of Development of Gujarat

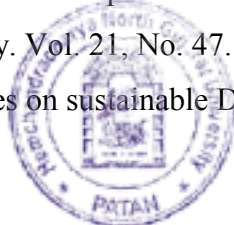
- | | |
|----------------------|----------------------|
| 1. Industry | 2. Urban Development |
| 3. Ocean coast | 4. Tribal Society |
| 5. Rural Development | |




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Recommended Books :

- Abraham, M. F. 1990. Modern Sociological Theory : An Introduction, New Delhi : OUP
- Agrawal, B. 1994. A Field of One's Own : Gender and Land Rights in South Asia Cambridge : Cambridge University Press.
- Appadurai, Arjun. 1997. Modernity At Large : Cultural Dimensions of Globalization, New Delhi : OUP
- Dereze, Jean and Amratya Sen. 1996. India : Economic Development and Social Opportunity. New Delhi : OUP
- Desai, A. R. 1985. India's Path of Development : A Marxist Approach. Bombay Popular Prakashan. (Chapter 2)
- Giddens Anthony, 1996. "Global Problems and Ecological Crisis" in Introduction to Sociology. IInd Edition : NEw York : W.W.Notron & Co.
- Harrison, D. 1989. The Sociology of Modernization and Development. New Delhi : Sage
- Haq, Mahbub Ul. 1991. Reflections on Human Development. New Delhi: OUP
- Moor, Wilbert and Rogert Cok. 1967. Social Change. New Delhi : Prancie-Hall (India)
- M. S. Gore - Sociology of Development
- Sharma, S.L. 980."Criteria of Social Development", Journal of Social Action. Jan- Mar.
- Sharma, S.L. 1986. Development : Socio-Cultural Dimensions, Jaipur: Rawat Chapter 1
- Sharma, S.L. 1994. "Salience of Ethnicity in Modernization : Evidence from India", Sociological Bulletin. Vol. 39, Nos. 1&2. pp. 33-51.
- Srinivas, M. N. 1966. Social Change in Modern India. Berkley : University of Berkley.
- Symposium on Implications of Globalization. 1995. Sociological Bulletin. Vol. 44 (Articles of Mathew, Panini & Pathy).
- UNDP, Sustainable Development, New York : OUP
- World Bank. 1995. World Development Report. New York.
- Amin, Samir. 1979. Unequal Development. New Delhi : OUP
- Giddens, Anthony. 1990. The Consequences of Modernity. Cabridge : Polity Press.
- Kiely, Ray and Phil Marfleet (eds.) 1998. Globalization and the Third World. London : Routledge.
- Sharma, S.L. 1992. "Social Action Groups as Harbingers of Silent Revolution", Economic and Political Weekly. Vol. 21, No. 47.
- Sharma, S.L. 1994. "Perspectives on sustainable Development in South Asia : The Case



of India" In Samad (Ed.) Perspectives on Sustainable Development in Asia. Kuala Lumpur : ADIPA

- Sharma, S.L. 2000. "Empowerment Without Antagonism : A case for Reformulation of Women's Empowerment Approach". Sociological Bulletin. Vol. 49. No. 1
- UNDP. 1997. Human Development Report. New York : Oxford University Press.
- Wallerstein Immanual. 1974. The Modern World System. New York : OUP
- Waters, Malcolm. 1995. The Modern World System. New York : OUP
- World Commission on Environment and Development. 1987. Our Common Future (Brundland Report). New Delhi. OUP

- [Empty box]
- [Empty box]

[Empty box]

[Empty box]

- [Empty box]
- [Empty box]
- [Empty box]



[Signature]
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sme. IV
Core Course
SOCC- 402
RURAL SOCIOLOGY

Objective

The course is designed to develop sociological skill on peasant and social structure in the following ways: Understanding of rural structure, change and development in India. Imparting skills to reconstruct rural institutions and making aware with prevailing approaches to study rural society viz. rural community and peasantry.

Outcome :

1. Students will come to know rural society and rural social system
2. Students will learn about social change and rural development programme

Course Outline :

Unit - 1 Introduction

- Meaning, scope and nature of Rural sociology.
- Methods of study of rural sociology
- Importants of study of rural sociology in India.
- Objectives of the study if Rural Sociology

Unit - 2 Rural social system

- Family : Manning and type
- Marriage : Manning and type
- Religion : Manning and nature
- Economy : Manning and characteristics
- Caste-system : Manning and characteristics
- Jajmani Pratha.

Unit - 3 Rural Social Change

- Nature of Change : Factor Hindering and Supporting Factor
- Effect of Change :
- Trend of Change :
- Planned rural development :




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Unit - 4 Rural Development Programme

- MNREGA
- Jawahar Rojgar Yojana
- Gokul Gram Yojana
- Total Sanitation campaign
- IRDP - Integrated Rural Development programme
- Jyoti Gram Yojna

Recommended Books :

- Desai, A. R. : Rural sociology in India, Bombay; Popular Prakashan, 1977, pp. 269-336, 425-527.
- Dhanagare, D. N. : Peasant Movements in India, New Delhi : Oxford University Press, 1988, pp. 1-25, 88-155.
- Omvedt, Gail: Land, Caste and Politics, Delhi : Department of Political Science, Delhi University, 1987, Introduction only.
- Shanin, T. : Peasantry : Delineation of a Sociological concept, Journal of Peasant Studies, 1991, pp. 180-200.
- Agrawal, Bina : Who Sows? Who Reaps? New Delhi : Institute of Economics Growth, Full Booklet.
- Chauhan, Brij, Raj Bharat me Gramin Samaj, (hindi) A.C. Brothers, (Jaipur - Bhopal.) 1988
- Ashih, Nandi Ambiguous Journey to the City, OUP, New Delhi 1999
- Redfield, Robert, The little community and peasant society, Chicago Uni. Press, Chicago 1960
- Majumdar, D.N., Rural Profile (ed), Ethnographil and Folk culture society, Lucknow 1955




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

SOCIAL PROBLEM OF MODERN INDIA

Objective

This course is designed to identify and analyze some of such emerging social issues and problems from sociological perspective. In the interest of systematic ordering, the issues and problems have been classified into four sets: structural, familial, developmental and disorganization. The course seeks to go beyond the commonsense understanding of the prevailing social issues and problems in order to project them into their structural context. Accordingly, it focuses on their structural linkages and interrelationships.

Outcome :

1. Students will know to the emerging social issues and problems of contemporary India.
2. To acquire sociological understanding of these issues and problems over and above their commonsense understanding, empower them to deal with these issues and problems and to serve as change agents both in governmental and non-governmental organizations.

Course Outline :

Unit - 1 Introduction

Meaning, characteristics of social Problem
scope and nature of Social Problem.

Deviant Behaviour : Meaning Causes, Impact and types

Conformity Behaviour : Meaning Causes and Impact

Unit - 2 Social Problem - 1

Youth Unrest : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Caste Tension : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Child Crime : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Slum : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Unit - 3 Social Problem - 2

Beggary instinct : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

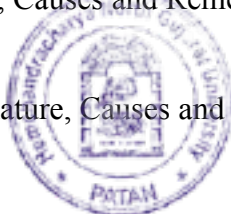
Unorganized and Migrated Labour : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Child Labour : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Suicide : Manning, nature, Causes and Remedial Measures

Unit - 4 Social Problem - 3

Superstition : Manning, nature, Causes and Remedial Measures



[Signature]
I/c. Registrar
Nemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem. IV

Core Course

SOCC- 404

CHANGE AND DEVELOPMENT IN TRIBAL SOCIETY

Objectives

1. To make the students understand the concept and approaches to study of tribes.
2. To acquaint the students with the problems of tribes and the factors responsible for change in tribal socio - cultural life.

Outcome :

1. Student will obtain proper knowledge about tribes in India.
2. Student will know to tribal transition and development.

Course Outline :

Unit - 1 Tribal Society

1. Approaches to the study of tribes : Sociological and Anthropological
2. Definition and characteristics of Tribes
3. Differences between tribes and non-tribes.

Unit - 2 Tribes in Transition

1. Impact of Industrialization and Urbanization
2. Media and tribal Society
3. Changes in Social Economical and political life
4. Issues of Tribal Identity and Tribal Movements.

Unit - 3 Tribal Development

1. Approaches to tribal development : Assimilations and Intergrationist
3. Constitutional rights of the scheduled tribes.

Unit -4 Problems of Tribes

1. Land alienation, poverty and Indebtedness
2. Health Problem
3. Displacement and rehabilitation
4. Tribal Migration




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem.IV
Inter Disciplinary Courses
SOIDC 405
SOCIOLOGY OF MASS COMMUNICATION
(Optional Paper)

Objectives

To Sensitize the students about the importance of social dimension of Communication and inter relationships between Society and Communication.

Outcome :

1. Students would use communication effectively in the use of Sociological Theories.
2. A new dimension and perspectives to understand Indian Society Develop

Course Outline :

Unit - 1 Introduction

1. Meanings of Communication
2. Type of Communication
3. Communication as Social Interaction through messages.
4. Communication as Power Relationship
5. Sociology of Communication : Meaning Scope. Effective Communication

Unit - 2 Theories of Communication

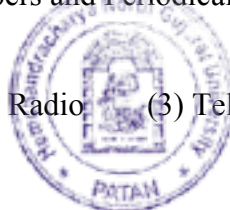
Functionalist, Marxist, Critical Theory, and cultural Studies and Postmodern approach. Extention theories of Communication, Cultural Diffusion.

Unit - 3 Growth and Role of the Media in India

1. Colonial
2. Post Colonial period
3. Tools of Personal Communication
 - (1) Post Service - Effect of Indian Society
 - (2) Telecom - Effect of Indian Society

Unit - 4 Role of Agencies of communication

1. Print Media : News Papers and Periodical
2. Electronic Media.
 - (1) Movies
 - (2) Radio
 - (3) Television




I/c. Registrar
North Gujarat University
PATAN

